

माननीय न्यायालय राजस्व मण्डल, कैम्प भोपाल ग्वालियर म0प्र0

आवेदन क्रमांक - / 2014-15

अकल सिंह पुत्र गोकुल सिंह  
निवासी ग्राम भीलरदेवपुरा सिवनी मालवा  
जिला होशंगाबाद मध्यप्रदेश

आवेदक/निगरानीकर्ता

विरुद्ध

सरजूबाई एवं अन्य

अनावेदकगण/उत्तरवादीगण

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 35(3)म0प्र0 भू राज0 संहिता 1959  
महोदय,

आवेदक/निगरानीकर्ता की ओर से निम्न प्रार्थना है कि :-

- 01 यह कि आवेदक/निगरानीकर्ता ने एक निगरानी माननीय अधिनस्थ न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी सिवनी मालवा के आदेश के विरुद्ध प्रस्तुत की थी जो इस माननीय न्यायालय के समक्ष निगरानी प्रकरण क्रमांक 2002/पी.बी.आर./14 के रूप में दर्ज होकर सुनवाई में ग्राह्य होकर दिनांक 13.01.2015 को बहस हेतु नियत थी।
- यह कि आवेदक/निगरानीकर्ता के अधिवक्ता दिनांक 13.01.15 को कैम्प भोपाल में उपस्थित नहीं हुए एवं अनुपस्थिति की दशा में प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही कर प्रकरण अदम पैरवी में निरस्त कर दिया गया।
- यह कि चूंकि प्रकरण में बहस होना है वह आवेदक/निगरानीकर्ता के अधिवक्ता की कमी से प्रकरण में अदम पैरवी में आदेश पारित किये गये हैं जो सकारण होकर क्षमा योग्य है।
- यह कि उपरोक्त स्थिति में उक्त कारण को क्षमा किया जाना आवश्यक है अन्यथा आवेदक/निगरानीकर्ता को उसे निगरानी में गुण-दोषों में निराकरण नहीं हो पायेगा ओर आवेदक न्याय पाने से वंचित रह पायेगा।
- 05 यह कि आवेदन के पक्ष समर्थन में शपथ पत्र प्रस्तुत है।

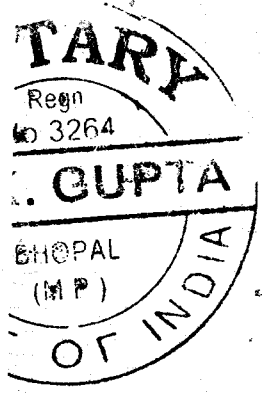
प्रार्थना

अतः माननीय न्यायालय से प्रार्थना है कि न्याय हित में उक्त आवेदन स्वीकार प्रकरण में हुए कमी को माफ कर प्रकरण पुनः सुनवाई में लिये जाने का आदेश पारित करें जो कि न्यायहित में उचित होगा।

आवेदक/निगरानीकर्ता

भोपाल, दिनांक- 14.01.2015

द्वारा अधिवक्ता



श्री बी.एन. मिश्रा<sup>02</sup>  
अभिभाषक द्वारा  
जाज दिनांक 14-1-15  
को भोपाल कैम्प<sup>03</sup>  
पत्र प्रस्तुत।  
14-1-15

14/1/15

On

अकल सिंह

14/1/15

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ  
 प्रकरण क्रमांक... 134-P/15 ... जिला... होशियार

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
<p>26.11.2015                      रायपुर</p>	<p>आवेदक की ओर से श्री बी.एस. मिश्रा आयोग के एवं आयोग के ओर से श्री वी.के.एस. आयोग के उपाध्यक्षों तक भेजे गये। अनुपाधिको कारण समाधान-कार्य होने से प्रप प्रकरण पुनर्स्थापित किया जाता है। इस प्रकरण में कोई कार्यवाही शेष नहीं होने से समाप्त किया जाता है।</p> <p>अध्यक्ष</p>	<p>27/11/16                      27/11                      26/11</p>